प्रेस के लिए सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं. 80 / 2025)
तत्काल जारी करने के लिए

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा)

www.trai.gov.in

नई दिल्ली, 25 अगस्त 2025

एफओआईआर (FoIR) ने डिजिटल कनेक्टिविटी पर संपत्तियों की रेटिंग के लिए भादूविप्रा के फ्रेमवर्क पर ऑनलाइन सत्र आयोजित किया

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा) के सहयोग से **भारतीय विनियामकों के मंच (FoIR)** ने आज डिजिटल कनेक्टिविटी पर संपत्तियों की रेटिंग के लिए फ्रेमवर्क पर एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया।

सत्र में **एफओआईआर (FoIR) सदस्यों** के साथ-साथ, भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड **(IBIB)** केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग **(CERC),** पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड **(PNGRB),** भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग **(CCI)**, राज्य विद्युत विनियामक आयोग **(SERCs)**, भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण (**AERA**) के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिस मे देश में रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे की योजना में डिजिटल कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मुख्यधारा में लाने पर जानकारी और विनिमय दृष्टिकोण साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। एफओआईआर **(FoIR)** के 80 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑनलाइन सत्र में भाग लिया।

सत्र की शुरुआत **श्री रवि मित्तल, मानद अध्यक्ष, FoIR और अध्यक्ष, IBBI** के उद्घाटन संबोधन के साथ हुई। अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर बल दिया की मजबूत डिजिटल कनेक्टिविटी अब वित्त, शिक्षा, परिवहन, आवास, स्वास्थ्य सेवा और उससे आगे के सभी क्षेत्रों के लिए एक मूलभूत आवश्यकता है। उन्होंने *'डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए संपत्तियों की रेटिंग विनियम, 2024'* को आगे लाने के लिए भादूविप्रा की सराहना की और योजना और शासन फ्रेमवर्क में डिजिटल कनेक्टिविटी उपलब्धता को शामिल करने के लिए विनियामकों के बीच क्रॉस-सेक्टोरल सहयोग के महत्व को रेखांकित किया।

इसके उपरांत भादूविप्रा के अध्यक्ष **श्री अनिल कुमार लाहोटी** ने अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में 70-80 प्रतिशत से अधिक मोबाइल डेटा ट्रैफिक की खपत भवनों के अंदर की जाती है, फिर भी कई परिसरों में कवरेज की समस्या बनी हुई है। 5G जैसी उन्नत तकनीकों को अपनाने के साथ, इनडोर कनेक्टिविटी

के लिए डिजिटल कनेक्टिविटी इन्फ्रास्ट्रक्चर (DCI) की योजना की आवश्यकता होती है, जिसमें, बिजली और पानी की आपूर्ति के समान कोर इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग के हिस्से के रूप में फाइबर एंट्री, डक्टिंग, केबल ट्रे, रूफटॉप एक्सेस, वाई-फाई उपलब्धता और लचीलापन शामिल है।

भादूविप्रा के अध्यक्ष ने प्रतिभागियों को आगे बताया कि, भादूविप्रा ने संपत्तियों के लिए एक स्वैच्छिक **स्टार-रेटिंग** प्रणाली शुरू करने वाले **विनियम, 2024** और मूल्यांकन का मार्गदर्शन करने के लिए 13 अगस्त 2025 को **डिजिटल कनेक्टिविटी के आकलन के लिए मैनुअल** जारी किया है। उन्होंने कहा कि भादूविप्रा ने इस फ्रेमवर्क को संचालित करने के लिए आठ **डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग एजेंसियों (डीसीआरए)** को पंजीकृत किया है, एवं अन्य आवेदनों की समीक्षा की जा रही है।

तकनीकी सत्र के दौरान**, श्री तेजपाल सिंह, सलाहकार (क्यूओएस-1), भादूविप्रा** ने डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग फ्रेमवर्क और इसके संचालन पर प्रगति पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। प्रस्तुति में फाइबर की तैयारी, इनडोर सिग्नल की शक्ति, मोबाइल और वायर्ड नेटवर्क की उपलब्धता, वाई-फाई सक्षमता और कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचे के लचीलेपन जैसे कार्यप्रणाली और रेटिंग मापदंडों पर प्रकाश डाला गया।

यह साझेदारी भादूविप्रा की हितधारकों तक पँहुच बनाने का हिस्सा है, ताकि **डिजिटल इंडिया** और **स्मार्ट सिटीज मिशन** जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग ढांचे के प्रति जागरूकता और अपनाने को बढ़ावा दिया जा सके।

अतिरिक्त प्रश्नों के लिए, कृपया संपर्क करें: -
श्री तेजपाल सिंह, सलाहकार (क्यूओएस-1)
ई-मेल: adv-qos1@trai.gov.in | दूरभाष: +91-11-20907759

अतुल चौधरी
25/8/25
(अतुल कुमार चौधरी)
सचिव, भादूविप्रा